हरियाणा में पंचायतों के चुनाव

7046. **श्री चन्द्रपाल शैलानी** : क्या **कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हरियाणा राज्य में पंचायतों के चुनावों से सम्बन्धित नियमों में इस आशय का कोई संशोधन किया गया है कि अनुसूचित जाति का उम्मीदवार सामान्य सीट के लिए चुनाव नहीं लड़ सकता ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या उक्त संशोधन भारतीय संविधान में उल्लिखित मूल अधिकारों के प्रतिकूल नहीं है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठते ।

U. N. Assistance for Bangla Desh Refugees

7047. SHRI VIRENDRA AGARWAL :
SHRI PRABHUDAS PATEL :

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether Government have informed the United Nations and its allied agencies in respect of the magnitude and the gravity of the problem that influx of the refugees alone would cost Rs. 750 crores per year ; and

(b) if so, the reaction of the United Nations and the Member Governments ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) : (a) The United Nations and its allied agencies were advised of an estimate of Rs. 300 crores as the cost of providing foodgrains, shelter etc. for the refugee population of six million for a period of six months.

(b) Details of offers of assistance made by foreign governments/International Organisations are given in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-815/71].

अभ्रक उद्योग में गिरावट

7048. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **इस्पात और खान** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की औद्योगिक नीति के फलस्वरूप अभ्रक उद्योग में प्रतिदिन गिरावट आ रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इस गिरावट की रोक-थाम के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) अभ्रक उद्योग में अवनति की प्रवृत्ति सरकार की औद्योगिक नीति के कारण से नहीं है । अभ्रक उद्योग निर्यात-अनुस्थापित उद्योग है और इसका उत्पादन उसके अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मांग पर निर्भर करता है । परिष्कृत अभ्रक का उत्पादन 1966 के 22,915 टन से 1970 में 16,274 टन तक कम हो गया है और शीट अभ्रक का उत्पादन 1966 के 8,160 टन से 1970 में 7,192 टन तक कम हो गया है । शीट अभ्रक के निर्यात में कमी के निम्नलिखित कारण है :—

(i) सक्रमणशील उपायों के आविष्कार के कारण अभ्रक के प्रयोग में विस्थापन ;

(ii) मृत्तिका, दस्तकारी कागज जैसी अनुकल्प सामग्री और पोलीसटाइरीन, पोलीथाइलीन इत्यादि जैसे उत्पादकों का प्रयोग ।

(iii) न्यूनतर कीमत के स्क्रैप अभ्रक द्वारा शीट अभ्रक के प्रयोग में विस्थापन ; और

(iv) अमेरिका और ब्रिटेन के स्टाकों से अभ्रक की निर्मुक्ति ।

(ख) अभ्रक खनन और निर्यात व्यापार की समस्याओं की जानकारी और उपचारी